https://navbharattimes.indiatimes.com/business/business-news/msme-minister-said-entrepreneurs-should-take-advantage-of-opportunities-created-due-to-closure-of-factories-in-china/articleshow/88095171.cms

How India Can Beat China: भारत के सामने है चीन को पछाड़ने का शानदार मौका, जानिए कैसे ड्रैगन को चटाई जा सकती है धूल!

Edited by अनुज मौर्या | भाषाUpdated: 4 Dec 2021, 9:34 pm

How India Can Beat China: एमएसएमई मंत्री नारायण राणे ने शनिवार को भारतीय उद्यमियों से चीन में कारखाने बंद होने की वजह से पैदा हुए अवसरों का लाभ उठाने को कहा। उन्होंने कहा, 'मैं बड़े और मझोले उद्योगपतियों से इस अवसर का लाभ उठाने और भारत में इन उत्पादों का निर्माण शुरू करने का आग्रह करता हूं।' वह बोले- 'हमें इन उत्पादों का विपणन और निर्यात भी करना चाहिए। वर्तमान में, भारत का विनिर्माण हिस्सा लगभग छह प्रतिशत है।'

हाइलाइट्स

- एमएसएमई मंत्री नारायण राणे ने शनिवार को भारतीय उद्यमियों से चीन में कारखाने बंद होने की वजह से पैदा हुए अवसरों का लाभ उठाने को कहा
- उन्होंने कहा, 'मैं बड़े और मझोले उद्योगपतियों से इस अवसर का लाभ उठाने और भारत में इन उत्पादों का निर्माण शुरू करने का आग्रह करता हूं'
- वह बोले- 'हमें इन उत्पादों का विपणन और निर्यात भी करना चाहिए। वर्तमान में, भारत का विनिर्माण हिस्सा लगभग छह प्रतिशत है'

अहमदाबाद

How India Can Beat China: केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) मंत्री नारायण राणे ने शनिवार को भारतीय उद्यमियों से चीन में कारखाने बंद होने की वजह से पैदा हुए अवसरों का लाभ उठाने को कहा। उन्होंने यहां भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) में एक कार्यक्रम में कहा कि भारतीय उद्योगपतियों को उन उत्पादों का निर्माण शुरू कर देना चाहिए जो अब चीन में नहीं बनते हैं।

राणे ने कहा, ‘‘उत्पादन के मामले में चीन दुनिया में पहले नंबर पर है। वैश्विक विनिर्माण क्षेत्र में चीन 64 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे है। हालांकि, कई

कंपनियां (उस देश में) बंद हो रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं बड़े और मझोले उद्योगपतियों से इस अवसर का लाभ उठाने और भारत में इन उत्पादों का निर्माण शुरू करने का आग्रह करता हूं।''

मंत्री ने कहा, ''हमें इन उत्पादों का विपणन और निर्यात भी करना चाहिए। वर्तमान में, भारत का विनिर्माण हिस्सा लगभग छह प्रतिशत है। यदि हम और 10 प्रतिशत जोड़ते हैं, तो हमारे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे देश को महाशक्ति बनने में मदद मिलेगी।''

राणे को ईडीआईआई द्वारा ''विकास और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में एमएसएमई की भूमिका'' विषय पर छात्रों और उद्यमियों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया था।